मार्च 2025 से चंदा गबन का चल रहा था खेल

भनक नहीं लगी या नजर अंदाज किया, राम मंदिर की दान राशि में गड़बड़ी का मामला

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
अयोध्या, 14 जून - राम मंदिर चंदा की राशि को गबन करने मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. हेरफेर व गबन का यह खेल पिछले सवा साल से चल रहा था. भनक लगी तो निगरानी की गई और फिर खेल उजागर हुआ. आखिरी के कुछ महीने में बड़ी रकम पार की गई. सूत्रों के मुताबिक मार्च 2025 से संदिग्धों ने रकम पार करना शुरू किया था. सूत्रों का दावा है कि पहली बार 25 मार्च, 2025 को रकम पार की गई थी. उसके बाद ये सभी नियमित रूप से गिनती के दौरान रकम इधर से उधर कर लेकर चले जाते थे. मंदिर परिसर कैमरों की निगरानी में है. मंदिर के नियमित कार्यों को देखें तो उसमें सबसे अहम कार्य चंदे की राशि की गिनती है, जो सिर्फ इन कर्मियों के भरोसे छोड़ दी गई थी. हालांकि ये यकीन से परे है कि जहां रोजाना लाखों-करोड़ों रुपये गिने जाते हों, वहां सिर्फ यही पांच लोग रहते होंगे. कुछ पदाधिकारी व सुरक्षाकर्मी भी रहते थे. अब उनकी मौजूदगी व निगरानी में इतनी बड़ी रकम पार कर ले जाना और उनको भनक न लगना बड़ा सवाल खड़ा करता है. इसलिए इसमें और कई लोगों की भूमिका का अंदेशा है. वहीं, जो संदिग्ध पकड़े गए हैं, उनके साथ वाले भी कई रडार पर हैं.

बोलती खबरें
खबरें सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें.

करोड़ों के गबन की गुपचुप चलती रही जांच : अयोध्या (सूरज शुक्ला). दान राशि में हुए गबन का खुलासा जब से हुआ है, तब से ट्रस्ट बहुत गोपनीयता जांच में जुटा है. पदाधिकारी चुप्पी साधे हैं. आधिकारिक तौर पर पुलिस को भी शामिल नहीं किया गया है, चूंकि करोड़ों का गबन हुआ है. रिकवरी की जद्दोजहद में सभी जुटे हैं. यह भी पता किया जा रहा है कि पकड़े गए संदिग्धों के अलावा और कौन-कौन लोग इसमें शामिल हैं. सूत्रों के मुताबिक, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि गवन की राशि कुल कितनी है. हालांकि, संदिग्धों से पूछताछ में मिली जानकारी व अन्य साक्ष्यों से अंदेशा है कि आठ करोड़ से अधिक का खेल किया गया है.

सीसीटीवी फुटेज समेत कई साक्ष्य मिले हैं, जिससे हुआ अहम खुलासा

अब तक एफआईआर न कराना भी बड़ा सवाल
चंदे की राशि गबन की गई है. बरामदगी से इसकी पुष्टि हो चुकी है लेकिन अब तक एफआईआर न करवाना सवाल खड़ा करता है. आखिर ट्रस्ट की तरफ से एफआईआर क्यों नहीं कराई जा रही है. अपने स्तर से ट्रस्ट जांच तो कर सकता है, लेकिन किसी को पकड़ कर लाना, उससे पूछताछ करना और घरों में जाकर चोरी की रकम बरामद करना ट्रस्ट का काम नहीं, बल्कि पुलिस व जांच एजेंसियों का है.

किसी बड़े की भूमिका... शायद इसलिए सन्नाटा
ट्रस्ट की चुप्पी तमाम सवाल पैदा कर रही है क्या गबन के खेल के पीछे कोई बड़ा नाम सामने आ रहा है. इसलिए मामला दबाया जा रहा है. जब गबन का मामला खुला था, उसी वक्त पुलिस या अन्य किसी जांच एजेंसी या एसआईटी को जांच सौंप देनी चाहिए थी.

सवा साल में हुआ पूरा हेरफेर, बीते दिनों में अधिक रकम की गई पार

गबन के पांच मुख्य किरदार, शह या साजिश किसकी- ये बना है राज
मामले में अब पांच मुख्य किरदार सामने आए हैं. ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं. इनके खिलाफ पुख्ता सुबूत भी मिले हैं. अभी भी वह राज खोल रहे हैं. हालांकि हेरफेर के पीछे किसकी शह थी, क्या कोई बड़ा शख्स इसका साजिशकर्ता है ? ये अभी भी राज बना हुआ है. सूत्रों के मुताबिक लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रमाशंकर पकड़े गए हैं. अब तक हुई रिकवरी भी इन्हीं पांचों ने कराई . चोरी कुबूल भी की . इससे ये स्पष्ट हो गया है. कि इनकी इसमें भूमिका है लेकिन इतने संवेदनशील जगह से रकम पार करते रहने और पकड़ा न जाना कई सवाल खड़े करता है.

टिन्नू का जिक्र सबसे अधिक
ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी का टिन्नू करीबी है. वह दशकों से उनसे जुड़ा है. जिन पांच संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है, उसमें शामिल रमाशंकर का टिन्नू रिश्तेदार भी है. सूत्रों के मुताबिक टिन्नू का हस्तक्षेप हर किसी काम में रहता था. इसलिए उस पर सवाल उठ रहे हैं. उसको लेकर ट्रस्ट के एक पूर्व पदाधिकारी ने कैमरे सामने गंभीर आरोप लगाए थे.

नकदी से लेकर निवेश तक छानबीन

जो संदिग्ध पकड़े गए हैं, वे मामूली पैसों की नौकरी करते थे. कुछ लोगों ने पार की गई रकम से निवेश भी किया है. उसके वहीं, चूंकि नकदी अधिक थी, इसलिए बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है. उसे सही से ठिकाने नहीं लगाया जा सका. कुछ ने अपने घर तो कुछ ने अपने रिश्तेदारों व परिचितों के घरों में भी नकदी छिपाई थी. संदिग्धों के घर व ठिकानों के अलावा उनके बैंक खाते भी खंगाले जा रहे हैं. इनमें अवनीश के खाते से पांच लाख रुपये मिले हैं. अवनीश के एक रिश्तेदार ने जमीन खरीदी है. आशंका है कि इस जमीन खरीद में अवनीश ने भी रकम लगाई है.

भूपेंद्र मिश्र बोले- मैं निर्माण कार्य देखता हूं

राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन प्रकरण की जांच के बीच शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे. उन्होंने इस पूरे मामले पर टिप्पणी करने से साफ इन्कार कर दिया. महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में जब उनसे दान गड़बड़ी प्रकरण को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, ₹मैं केवल निर्माण कार्य देखता हूं और कुछ नहीं. इसके बाद उन्होंने दान प्रकरण से जुड़े किसी भी अन्य सवाल का जवाब नहीं दिया.

एक आज्ञाकारी नौकर की तरह बात सुनते हैं मोदी

अमेरिकी हमले को लेकर राहुल गांधी का पीएम पर जोरदार हमला

एंजेसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियों के बीच हुई बातचीत को लेकर पीएम मोदी पर जोरदार हमला बोला है. राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर पीएम मोदी की कूटनीति पर सवाल उठाए हैं. राहुल गांधी ने पीएम मोदी को अमेरिका का 'आज्ञाकारी नौकर' तक बता दिया. राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका खुले आम

लोगों के मारने का आदेश दे रहा है और हमारे कंप्रोमाइज्ड पीएम चुप्पी साधे बैठे हैं.

तुरंत बात मान ली : राहुल गांधी ने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा कि अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के चंद दिन बाद न अफसोस, न माफी, उल्टा, अमेरिका ने आदेश देना जारी रखा है, उनके शब्द पढ़िए-अमेरिकी सेना के आदेश तुरंत मानें. कोई उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. एक आजाद देश इस तरह की भाषा कभी नहीं सहेगा, लेकिन हमारे कंप्रोमाइज्ड पीए चुप साधे बैठे हैं, एक आज्ञाकारी नौकर की तरह सुनते हैं, और आदेश मान लेते हैं. कंप्रोमाइज्ड पीएम देश के सम्मान की रक्षा नहीं करेगा. क्योंकि जो देश का अपमान करते हैं, वो उन्हीं के वश में हैं.

कंप्रोमाइज्ड पीएम के राज में दुर्गति- राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर एक और पोस्ट लिखते हुए कहा कि कंप्रोमाइज्ड पीएम के राज में एक भारतीय होने का मतलब दुर्गति है. विदेशी ताकत हमारे नागरिकों को मारती है. हमारी सरकार एक आज्ञाकारी नौकर की तरह चुप-चाप आदेश मान लेती है और हमारे नागरिक सड़ने के लिए छोड़ दिए जाते हैं. इस भारतीय को घर लाइए, अभी.

नीस : फ्रांस के नीस में नीस कोटे डी'अजूर एयरपोर्ट पर पहुंचने पर फ्रांस के उच्च शिक्षा, अनुसंधान और अंतरिक्ष मंत्री फिलिप बैप्टिस्ट द्वारा स्वागत किए जाने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जा रहा है.

अनंतनाग में 400 से अधिक सीसीटीवी और स्नाइपर्स तैनात

अमरनाथ यात्रा, हाई-टेक सुरक्षा चक्र तैयार

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
श्रीनगर, 14 जून- श्री अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में हाई-टेक सुरक्षा चक्र तैयार किया गया है. 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ ही संवेदनशील स्थानों पर स्नाइपर्स तैनात किए गए हैं. अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों, फेशियल रिकग्निशन तकनीक और विशेष सुरक्षा इकाइयों की तैनाती की गई है.अनंतनाग के एसएसपी आमोद नागपुरे ने बताया कि यात्रा मार्ग पर अनंतनाग से पवित्र अमरनाथ गुफा तक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की करीब 140 कंपनियां तैनात की गई हैं. जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष इकाइयां जैसे मारखोर, स्नो लेपर्ड, माउंटेन रेस्क्यू टीमें (एमआरटी), स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और क्विक रिएक्शन टीमें (क्यूआरटी) भी संवेदनशील स्थानों पर तैनात की गई हैं.पूरे जिले को 19 सुरक्षा जोनों में विभाजित कर निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई है. असामाजिक और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तलाशी अभियान और संदिग्धों की निगरानी को तेज किया गया है. सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ मिलकर पहाड़ी और वन क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन और सैनिटाइजेशन अभियान भी चलाया जा रहा है.

हिंदू युवक की हत्या पर देहरादून में मचा बवाल

आरोपी के घर में लगाई आग, इंटरनेट बंद

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
देहरादून, 14 जून- उत्तराखंड के विकासनगर स्थित बैरागीवाला गांव में दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प में युवक की मौत के बाद बवाल बढ़ता जा रहा है. यहां आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके घरों पर ध्वस्तीकरण की मांग को लेकर भीड़ ने पुलिस की मौजूदगी में पथराव कर दिया. आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया गया, वहीं प्रशासन ने मामले को देखते हुए इंटरनेट बंद कर दिया है. अब तक इस मामले में 12 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, वहीं इस घटना के बाद बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है.

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें कई लोग लाठी-डंडों के साथ एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं. बैरागीवाला गांव से सामने आए सीसीटीवी फुटेज ने घटना के खौफनाक मंजर को कैमरे में कैद कर लिया है. वीडियो में लाठी-डंडों से लैस लोग सड़कों पर दौड़ते दिखाई दे रहे हैं. कुछ लोग जान बचाने के लिए भाग रहे हैं, तो कहीं चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल नजर आ रहा है.इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया. पुलिस का कहना है कि विवाद की शुरूआत खेत में पानी लगाने को लेकर हुई थी, लेकिन कुछ ही देर में मामूली कहा सुनी हिंसक झड़प में बदल गई. अब सामने आए सीसीटीवी फुटेज में वो हिंसा दिखाई दे रही है.इस हिंसक झड़प में एक हिंदू युवक की मौत हो गई, जबकि महिला समेत तीन लोग घायल हुए हैं. युवक की मौत की खबर फैलते ही गांव का माहौल और ज्यादा गर्म हो गया. देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए.

पूर्व विधायक के बेटे ने पत्नी व खुद को भी उड़ाया

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
फिरोजाबाद, 14 जून - आदर्श कृष्ण इंटर कॉलेज के पूर्व प्रबंधक और कांग्रेस के पूर्व विधायक जगदीश सिंह यादव के पुत्र राकेश यादव (73) ने शनिवार रात घर में लाइसेंसी रिवॉल्वर से पत्नी राममूर्ति देवी (68) की छाती में गोली मारी और फिर अपने सिर में गोली मार ली. राकेश की मौके पर मौत हो गई. राममूर्ति ने ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया.

इस साल हो सकते हैं यूपी-पंजाब समेत पांच राज्यों में विस चुनाव

समय से पहले चुनाव के लिए भाजपा ने नेताओं को किया अलर्ट

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव इसी साल नवंबर-दिसंबर महीने में हो सकते हैं, दरअसल अगले साल फरवरी में प्रस्तावित जनगणना के दूसरे चरण में बाधा नहीं आने देने के लिए केंद्र सरकार इन राज्यों में फरवरी-मार्च से पहले चुनाव कराने पर विचार कर रही है.भाजपा नेतृत्व ने तो इस संबंध में सभी राज्य इकाईयों को आगाह करते हुए चुनावी तैयारियों को इसी महीने अंतिम रूप देने का निर्देश भी दे दिया है. हां, इस संबंध में उत्तराखंड को राहत मिल सकती है. दरअसल इन राज्यों में अगले साल फरवरी-मार्च में चुनाव प्रस्तावित हैं. मुश्किल यह है कि इसी दौरान जनगणना का दूसरा चरण शुरू होना है जो 9 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगा. इस दौरान राज्य के कर्मचारी इसके तहत सामाजिक और आर्थिक जानकारी एकत्रित करेंगे, इसके लिए यूपी में कम से कम 5.5 लाख, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा में 50-50 हजार, पंजाब में दो लाख सरकारी कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी, ऐसे में चुनावी के लिए कर्मचारियों की जरूरत पूरी नहीं हो सकेगी.

अंतिम मतदाता सूची नहीं है बाधा-चुनाव आयोग के सूत्रों ने सरकार की ओर से इन राज्यों में जल्द चुनाव कराने की सूचना मिलने से इंकार किया. हालांकि सूत्र ने कहा कि अगर नवंबर में चुनाव होते हैं तो इसके लिए मतदाता सूची बाधा नहीं बनेगी. वह इसलिए कि इन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जरूरत पड़ने पर जनवरी में तैयार होने वाली अंतिम मतदाता सूची को तय समय से तीन महीने पहले ही अंतिम रूप दिया जा सकता है.

तीन राज्य इकाईयों ने की पुष्टि-तय समय से पहले चुनाव संबंधी चचाओं की पुष्टि भाजपा के तीन राज्यों के इकाईयों ने की. उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब इकाई से जुड़े सूत्रों ने बताया कि नेतृत्व ने जल्द चुनाव के लिए तैयार रहने और इसके लिए बूथ कमेटियों को अंतिम रूप देने, संगठन की नियुक्तियां पूरी करने समेत सभी चुनावी तैयारियों को जुलाई के पहले सप्ताह तक अंतिम रूप देने के लिए कहा है. हालांकि उत्तराखंड राज्य इकाई के सूत्र ने कहा कि चूंकि यहां पहाड़ी इलाकों में दूसरे चरण की जनगणना सितंबर में ही हो जाएगी, ऐसे में इस राज्य को जल्द चुनाव से छूट मिल सकती है.

विपक्ष में भी हलचल- जल्द चुनाव की संभावनाओं के मद्देनजर विपक्षी खेमे में भी हलचल है. बीते सोमवार को विपक्षी इंडिया ब्लॉक की बैठक में इन संभावनाओं पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के बीच बातचीत भी हुई.

तेजी से बढ़ता तापमान 2030 तक तोड़ देगा 1.5 डिग्री की सीमा

जलवायु संकट : रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची धरती की गर्मी, ग्रीन हाउस जैसों के उत्सर्जन पर रोक जरूरी

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
लंदन/जिनेवा, 14 जून - जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी पहले से कहीं अधिक तेजी से गर्म हो रही है. यदि ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन मौजूदा गति से जारी रहा तो 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा पार कर सकता है. इसका गंभीर असर समुद्रों, कृषि, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव स्वास्थ्य तक दिखाई देगा. अर्थ सिस्टम साइंस डेटा में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, 2025 में पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले के स्तर की तुलना में लगभग 1.39 डिग्री अधिक दर्ज किया गया. विशेषज्ञों का कहना है कि इस अतिरिक्त गर्मी

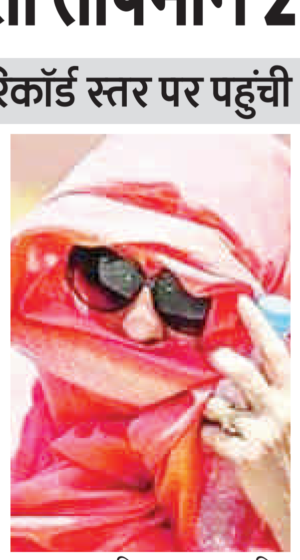

का पूरा हिस्सा मानवजनित गतिविधियों से पैदा हुआ है. जीवाश्म ईंधन का व्यापक उपयोग, उद्योगों से निकलने वाला कार्बन प्रदूषण और बडे पैमाने पर वनों की कटाई इसके प्रमुख कारण है. वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में तापमान वृद्धि की रफ्तार पहले के दशकों की तुलना में और तेज हुई है. यही वजह है कि अब 1.5 डिग्री की सीमा पार होने की आशंका पहले से अधिक वास्तविक दिखाई दे रही है. 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में दुनिया के देशों ने यह लक्ष्य तय किया था कि वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखा जाए और संभव हो तो इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए. वैज्ञानिकों का मानना है कि इस सीमा के भीतर रहने से जलवायु परिवर्तन के सबसे विनाशकारी प्रभावों को काफी हद तक रोका जा सकता है.

तटीय क्षेत्रों के लिए बन रहा खतरा
अध्ययन के अनुसार, 1901 के बाद से वैश्विक समुद्र स्तर लगभग 23 सेंटीमीटर बढ़ चुका है. यह वृद्धि तटीय क्षेत्रों के लिए बड़ा खतरा है. समुद्रों का तापमान भी लगातार बढ़ रहा है. गर्म समुद्री जल के कारण समुद्री लू की घटनाएं तेजी से बढ़ी है. इससे प्रवाल भित्तियों, मछलियों और अन्य समुद्री जीवों पर गंभीर प्रभाव पड रहा है. अध्ययन के अनुसार 1991 की तुलना में समुद्री लू वाले दिनों की संख्या तीन गुना से अधिक हो चुकी है.

दुनिया के सामने बढ़ती चुनौती- वैज्ञानिकों का कहना है कि बढती गर्मी, समुद्र स्तर में वृद्धि, चरम मौसम घटनाएं और पारिस्थितिक तंत्र पर बढता दवाव दुनिया के लगभग हर क्षेत्र में महसूस किया जा रहा है. विशेषज्ञों के अनुसार अभी-भी स्थिति को पूरी तरह अनियंत्रित होने से रोका जा सकता है, लेकिन इसके लिए देशों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तेज और व्यापक कटौती करनी होगी. साथ ही जलवायु निगरानी नेटवर्क को मजबूत बनाना और स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढना होगा.

चिवकर

मर्सिडीज चालक की धमकी से डरकर ट्रक ड्राइवर ने की खुदकुशी

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
दंतेवाड़ा, 14 जून - छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक 25 साल के ट्रक ड्राइवर ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली. उसने मरने से पहले सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया. इसमें उसने महंगी कार से ट्रक की टक्कर के बाद उसमें सवार लोगों पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. पुलिस के मुताबिक, मर्सिडीज चालक को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा. इस आधार पर आगे की कार्रवाई होगी.

मौसम चेतावनी सेवा पर लगी अस्थायी रोक

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून - राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी सलाह के बाद मौसम चेतावनी सेवा (सेल ब्रॉडकास्ट) को अस्थायी रूप से रोक दिया है. अधिकारियों ने बताया कि यह फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया है और अगली सूचना तक यह सेवा बंद रहेगी. सेल ब्रॉडकास्ट एक चेतावनी तंत्र है, जिसके जरिये आपातकालीन स्थिति में अलर्ट संदेश फोन पर आता है. एजेंसी

पोस्टमार्टम पर मजाक करने वाली छात्रा को छुट्टी पर भेजा

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
मुंबई, 14 जून - स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो में पोस्टमार्टम को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणी के बाद केईएम मेडिकल कॉलेज ने एमबीबीएस छात्रा सेजल पवार को 15 दिन की छुट्टी पर भेज दिया है. उसके कॉलेज परिसर और छात्रावास में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है. जांच में छात्रा की पुष्टि होने के बाद यह अंतरिम कदम उठाया गया है.

केरलम सीएम को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
तिरुवनंतपुरम, 14 जून - केरल के सीएम वीडी सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सोनी थॉमस नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम आरोपी ने तिरुवनंतपुरम सिटी पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर यह धमकी दी. पूछताछ में उसने बताया कि वह सीएम को पसंद नहीं करता इसलिए धमकी दी.

प्रेमिका को मरने के लिए मजबूर करने पर अधिकारी गिरफ्तार

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
भुवनेश्वर, 14 जून - ओडिशा के कटक में रंग रूप के ताने देकर प्रेमिका को मरने के लिए मजबूर करने वाले ओडिशा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने आरोपी भीमसेन प्रसाद टुडू से अलग हो चुकी प्रेमिका का शव नदी से बरामद किया था. मृतका के परिवार ने टुडू पर उसकी हत्या का आरोप लगाय. पुलिस ने आरोपी टुडू को मयूरभंज जिले से गिरफ्तार किया है.

सबरीमला सोना चोरी मामले में आरोपी मुरारी बाबू की मौत

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
कोट्टायम, 14 जून - केरलम में सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने से जुड़े मामले में आरोपी और त्रावणकोर देवासम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मुरारी बाबू का शुक्रवार रात निधन हो गया. 54 वर्षीय बाबू पिछले तीन महीने से कोच्चि के अस्पताल में कैंसर का इलाज करा रहे थे. मुरारी बाबू को सबरीमला मंदिर के द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों पर लगी स्वर्ण परत और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोना गायब होने के मामलों में पिछले साल अक्तूबर में गिरफ्तार किया गया था. तब वह टीडीबी में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थे. कोल्लम विजिलेंस कोर्ट ने इस साल 23 जनवरी को उन्हें जमानत दी थी.